जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

वर्ष: 58 संख्या: 201 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 20 फरवरी, 2009 पो. रजि. /RJ/JPC/D-10/2009-1

'भारत में एक करोड़ 40 लाख बच्चों में दिमागी कमजोरी का खतरा'

जयपुर। आयोडीन अल्पता विशेषज्ञों का दो दिवसीय विश्व सम्मेलन आज यहां शुर हुआ । सम्मेलन का आयोजन आयोडीन नेटवर्क की ओर से किया गया है तथा इसमें यूनिसेफ डब्ल्यू एच ओ विश्व खाद्य कार्यक्रम .एम आई. गेन. आईसीसीआईडीडी और नमक संस्थान के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के बाद आयोडीन नेटवर्क के प्रमुख डा. निकोलस अलिपुई ने बताया कि विश्व में तीन करोड 80 लाख बच्चे आयोडीन की कमी के कारण मानसिक रोग के शिकार होने की आशंका के साथ जन्म लेते है। इनमें से एक करोड 40 लाख बच्चे भारत में पैदा होते है। उन्होंने कहा कि आयोडीनयुक्त नमक के सेवन से इस खतरे को टाला जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत में अभी भी 35 प्रतिशत परिवार आयोडीनयुक्त नमक का सेवन नहीं करते है। अलिपुई ने कहा कि आयोडीन के प्रति जागरकता का प्रसार तथा आयोडीनयुक्त नमक की हर व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करना भारत के सामने सबसे बडी चुनौती है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुये नमक आयुक्त कार्यालय के उपायुक्त री एम.अंसारी ने बताया कि भारत नमक उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में चौथे स्थान पर है। देश के नमक उत्पादन का पांच फीसदी हिस्सा राजस्थान से उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि 20 से 30 प्रतिशत लोग अभी भी आयोडीनयुक्त नमक का सेवन करते है। उन्होंने उत्पादन के समय ही नमक में आयोडीन मिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अंतर्राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता नियंत्रण परिषद के क्षेत्रीय निदेशक डा. सी.पाण्डव ने पत्रकार सम्मेलन में बताया कि आयोडीन की कमी गर्भ में पल रहे शिशु से लेकर बच्चों, किशोरों तथा वयस्कों के साथ.साथ पशुधन के लिये भी हानिकारक है।